SHRIRAM SEEDS
PRIVATE LIMITED

श्रीराम सीड्स प्रा॰ लि॰

272, नई धान मंडी, श्रीगंगानगर - 335001(राज.)

चारा की फसल उत्पादन हेतु आवश्यक सुझाव

SHRIRAM SEEDS
PRIVATE LIMITED

किस्में

हाइब्रिड बीज : अमृत सुधा -272

SHRIRAM SEEDS
PRIVATE LIMITED

भूमि चयन

Hybrid Fodder Maize की खेती के लिए गहरी, उपजाऊ और अच्छे जल निकास वाली दोमट से मध्यम दोमट मिट्टी सबसे उपयुक्त रहती है। जलभराव वाली भूमि में पौधों की बढ़वार रुक जाती है और तना सड़न जैसी समस्याएँ बढ़ती हैं। मिट्टी का pH लगभग 6.5 से 7.5 होना बेहतर रहता है।

SHRIRAM SEEDS
PRIVATE LIMITED

बिजाई का समय

खरीफ मौसम में फोडर मक्का की बुवाई जून के अंतिम सप्ताह से जुलाई मध्य तक की जाती है। सिंचित क्षेत्रों में पहली मानसूनी वर्षा से पहले या साथ में बुवाई की जा सकती है, जबकि असिंचित क्षेत्रों में केवल पर्याप्त वर्षा होने पर ही बुवाई करनी चाहिए। समय पर बुवाई से चारे की गुणवत्ता और मात्रा दोनों बेहतर मिलती हैं।

SHRIRAM SEEDS PRIVATE LIMITED

बीज दर

Hybrid Fodder Maize के लिए बीज दर सामान्य दाना मक्का से थोड़ी अधिक रखी जाती है। सामान्यतः प्रति हेक्टेयर 25–30 किलोग्राम बीज पर्याप्त होता है, जिससे घना और अधिक हरा चारा प्राप्त किया जा सके।

बीज उपचार

यह बीज उपचारित होता है, अन्य बीजों को बुवाई से पहले फफूंदनाशी दवा से उपचारित करना चाहिए, जिससे बीज एवं भूमि जनित रोगों से सुरक्षा मिलती है। इससे अंकुरण अच्छा होता है और पौधों की शुरूआती बढ़वार मजबूत रहती है।

बिजाई का ढंग

फोडर मक्का की बुवाई कतारों में करनी चाहिए। कतार से कतार की दूरी लगभग 30–45 सेंटीमीटर रखना उपयुक्त रहता है। बीजों को 4–5 सेंटीमीटर गहराई पर बोना चाहिए, ताकि पौधे समान रूप से उग सकें और हरे चारे की उपज अधिक मिले।

सिंचाई प्रबंधन

क्रमांक	फसल अवस्था	सिंचाई का समय	आवश्यक सिंचाई
1	बुवाई के तुरंत बाद	0–1 दिन	हल्की सिंचाई
2	अंकुरण अवस्था	5–7 दिन बाद	आवश्यक
3	प्रारंभिक वृद्धि	15–20 दिन	आवश्यक
4	तेज़ वृद्धि (घुटना अवस्था)	25–30 दिन	**अत्यंत आवश्यक**
5	पत्तियों की अधिक वृद्धि	40–45 दिन	आवश्यक
6	कटाई से पहले	55–60 दिन	आवश्यकता अनुसार

SHRIRAM SEEDS PRIVATE LIMITED

खरपतवार नियंत्रण

बुवाई के 20–25 दिन बाद एक निराई-गुड़ाई करना आवश्यक है। प्रारंभिक अवस्था में खरपतवार नियंत्रण न होने पर चारे की उपज पर सीधा नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

उर्वरक प्रबंधन (प्रति एकड़)

क्रमांक	उर्वरक	मात्रा	देने का समय / विधि
1	गोबर की खाद (सड़ी हुई)	8–10 टन	बुवाई से पहले खेत तैयारी में
2	यूरिया	90–100 किग्रा	आधी बुवाई के समय, आधी 25–30 दिन पर
3	डीएपी	55–60 किग्रा	बुवाई के समय
4	म्यूरेट ऑफ पोटाश (MOP)	20–25 किग्रा	बुवाई के समय
5	जिंक सल्फेट	8–10 किग्रा	अंतिम जुताई में

हानिकारक कीट प्रबंधन

क्रमांक	कीट का नाम	प्रमुख लक्षण	सरल नियंत्रण उपाय
1	तना छेदक	पौधे का बीच से सूखना, तने में छेद	क्लोरान्ट्रानिलीप्रोल 18.5 SC @ 60 ml/एकड़
2	फॉल आर्मीवर्म	पत्तियों पर छेद, मल जैसे दाने	एमामेक्टिन बेंजोएट 5 SG @ 80 g/एकड़
3	माहू (एफिड)	पत्तियों पर चिपचिपा पदार्थ, पीला पड़ना	इमिडाक्लोप्रिड 17.8 SL @ 40 ml/एकड़
4	सफेद मक्खी	रस चूसना, पत्तियाँ कमजोर	थायमेथोक्साम 25 WG @ 40 g/एकड़
5	कटवर्म	पौधे जमीन से कटना	क्लोरपाइरीफॉस 20 EC @ 1 लीटर/एकड़ (मिट्टी में)
6	तना मक्खी	पौधे मुरझाना	बीज उपचार + समय पर सिंचाई

प्रमुख बीमारियाँ एवं प्रबंधन

क्रमांक	बीमारी	मुख्य लक्षण	सरल नियंत्रण
1	डाउनी मिल्ड्यू	पत्तियों पर पीली धारियाँ	मेटालैक्सिल + मैंकोजेब
2	लीफ ब्लाइट	पत्तियों पर भूरे धब्बे	मैंकोजेब का छिड़काव
3	लीफ स्पॉट	गोल काले धब्बे	कार्बेन्डाजिम
4	तना सड़न	तना नरम, पौधा गिरना	जलभराव से बचाव
5	रस्ट (जंग)	लाल-भूरे जंग जैसे धब्बे	प्रोपिकोनाजोल
6	सीडलिंग ब्लाइट	छोटे पौधे सूखना	बीज उपचार

SHRIRAM SEEDS
PRIVATE LIMITED

टिप्पणी

इस पत्रक में दी गई फसल उत्पादन संबंधी सिफारिशें कृषि विश्वविद्यालयों, कृषि विज्ञान केंद्रों, कृषि विशेषज्ञों, प्रगतिशील किसानों एवं सरकारी कृषि विदों के शोध एवं अनुभवों पर आधारित हैं। फसल अथवा किस्म का उत्पादन केवल बीज पर निर्भर नहीं करता, बल्कि भूमि की स्थिति, खाद-उर्वरक, सिंचाई, मौसम एवं अन्य कृषि कारकों पर भी निर्भर करता है। विभिन्न प्रदेशों एवं क्षेत्रों में परिणाम भिन्न हो सकते हैं। अतः कृषक स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार संबंधित कृषि विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिकों अथवा कृषि विशेषज्ञों की सलाह एवं स्वयं के अनुभव के आधार पर ही खेती संबंधी निर्णय लें।